This question paper contains **2** printed pages]

JO—245—2023

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (Second Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2023

(New/CBCS Pattern)

HINDI

Paper–VII

(हिन्दी साहित्य का इतिहास—भाग : 2)

(Tuesday, 12-12-2023) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—75

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दिए हैं।

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

भारतेन्दु युग की काव्य-प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

2. राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा का सामान्य परिचय दीजिए। 20

अथवा

राष्ट्रीय चेतना की काव्यधारा में प्रमुख कवियों के योगदान को रेखांकित कीजिए।

3. हिन्दी निबन्ध के उद्‌भव-विकास को स्पष्ट करते हुए आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव एवं विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5

(*i*) छायावाद के चार आधारस्तम्भ

(*ii*) माखनलाल चतुर्वेदी

(*iii*) कहानीकार प्रेमचन्द

(*iv*) हिन्दी दलित आत्मकथा का विकास।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) 'नीति और आदर्श की प्रधानता' यह किस काव्यधारा की प्रधान प्रवृत्ति रही है ?

(*ii*) 'बापू' यह किसकी प्रसिद्ध कविता है ?

(*iii*) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक कौन हैं ?

(*iv*) 'दलित' शब्द का सबसे पहले प्रयोग 1910 में किसने किया था?

(*v*) 'मैं भंगी हूँ' यह आत्मकथा किसकी है ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) लघुमानव की प्रतिष्ठा यह ..... काव्य की प्रवृत्ति रही है।

(*ii*) 'भारत-भारती' यह ..... की प्रसिद्ध रचना है।

(*iii*) फणीश्वरनाथ रेणु ..... कहानीकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(*iv*) 'मुर्दहिया' आत्मकथा के लेखक ..... हैं।

(*v*) ..... यह श्योराज सिंह बेचैन की आत्मकथा है।

1B7531092C9D6FCB541654A953E0C896